

विशेष

२७-७-२०१७

अं. १०

पत्रावली देसुर्दी अतिनाटक उगायक
तद पक्षरापन वृ. शाकी । पक्षरापन वी
परापन के विस्तरापन बाप वी गी हल
बाप उकाव काग पिछे वी विमान
वी उकाय तला मर जावनायक उकाव
के वी कार्यालय वी अग्रे व

सांख्य

सिद्ध

कतः जावनायक २१२ राजपुत्र १११११

काठिण्ड सु. १५, १६ जागा व

पुनः वी कत वी जाव १५८

विकल व

**अपरण्ड अधिकारी,
विजोलियाँ जि.-भीलवाड़ा**

विजोलियाँ जि. भीलवाड़ा

११/१०/१८

१५/१०/१८

१५/१०/१८